U.P. BOARD CLASS 10 HINDI- 2018
उत्तर प्रदेश बोर्ड कक्षा 10 हिन्दी- 2018

801 (HD)

हिन्दी

समय: तीन घण्टे 15 मिनट - पूर्णांक: 70

निर्देश: प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

प्र.1 (क) निम्नलिखित कथनों में से एक कथन सही है, उसे पहचानकर लिखिए: (1)

(1) श्यामसुन्दर दास प्रसिद्ध कवि हैं।

(2) 'तितली' जयशंकर प्रसाद का उपन्यास है।

(3) यशपाल निबन्धकार के रूप में प्रसिद्ध हैं।

(4) 'मिट्टी की ओर' रामचन्द्र शुक्ल का निबन्ध संग्रह है।

(ख) निम्नलिखित कृतियों में से किसी एक कृति के लेखक का नाम लिखिए: (1)

(1) जंगल के बीच (2) रूपक रहस्य (3) ग्यारह वर्ष का समय (4) कहनी-अनकहनी

(ग) 'मेरी असफलताएँ' किस विधा की रचना है? (1)

(घ) अतीत के चल चित्र के लेखक का नाम लिखिए। (1)

(ड.) किसी एक गद्यगीत लेखक का नाम लिखिए। (1)

प्र.2 (क) रीतिकाल की दो विशेषताएँ लिखिए। (2)

(ख) प्रगतिवाद की दो प्रवृत्तियाँ लिखिए। (2)

(ग) 'प्रियप्रवास' के रचयिता का नाम लिखिए। (1)

प्र.3 निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश के नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (2+2+2=6)

(क) भारत के इतिहास में बुद्धदेव, महावीर स्वामी, नागार्जुन, शंकराचार्य, कबीर, नानक, राजा राम मोहनराय, स्वामी दयानन्द और महात्मा गांधी में ही सुधारकों की गणना समाप्त नहीं होती। सुधारकों का दल नगर-नगर और गाँव-गाँव में होता है। यह सच है कि जीवन में नये-नये क्षेत्र उत्पन्न होते जाते हैं और नये-नये सुधार हो जाते हैं। न दोषों का अन्त है और न सुधारों का। जो कभी सुधार थे, वे ही आज दोष हो गये हैं और उन सुधारों का फिर नवसुधार किया जाता है।

(1) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।

(2) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(3) दोषों का अन्त क्यों नहीं होता है?

(ख) मृत्यु शायद फिर भी श्रेष्ठ है, बनिस्बत इसके कि हमें अपने गुणों को कुंठित बनाकर जीना पड़े। ईर्ष्या से जला-भुना आदमी जहर की चहली-फिरती गठरी के समान है, जो हर जगह वायु को दूषित करती फिरती है।

(1) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।

(2) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(3) ईर्ष्यालु और चिन्ताग्रस्त आदमी में क्या अन्तर है?

प्र.4 निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए: (1+4+1=6)

(क) ऊधौ मन न भये दस बीस।
एक हुतौ सो गयो स्याम सँग, कौ अवराधै ईस।।

इन्द्री शिथिल भई केसव बिनु, ज्यों देही बिनु सीस।
आसा लागि रहति तन स्वासा, जीवहिं कोटि बरीस।।
तुम तौ सखा स्याम सुन्दर के, सकल जोग के ईस।
सूर हमारे नंद-नंदन बिनु, और नहीं जगदीस।।
(ख) मानुष हों तो वही रसखानि, बसौं ब्रज गोकुल गाँव के ग्वारन।
जौ पसु हो तो कहा बस मेरो, चरों नित नंद की धेनु मँझारन।।
पाहन हों तो वही गिरि को, जो धरयों कर छत्र पुरंदर-धारन।
जो खग हों तो बसेरो करौं मिलि कालिंदी-कूल कदंब की डारन।।

प्र.5 (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन परिचय दीजिए एवं उनकी एक रचना का नाम लिखिए: (2+1=3)

(1) रामचन्द्र शुक्ल (2) जयप्रकाश भारती (3) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय दीजिए तथा उनकी एक रचना का उल्लेख कीजिए: (2+1=3)

(1) तुलसीदास (2) महादेवी वर्मा (3) सुमित्रानन्दन पन्त

प्र.6 निम्नलिखित का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिएः (1+3=4)

इयं नगरी विविधधर्माणां संगमस्थली। महात्मा बुद्धः, तीर्थंकरः
पार्श्वनाथः, शंकराचार्यः, कबीरः, गोस्वामी तुलसीदासः,
अन्ये च बहवः महात्मानः अत्रागत्य स्वीयान् विचारान्
प्रासारयन्। न केवलं दर्शनें, साहित्ये, धर्मे अपितु कलाक्षेत्रेऽपि
इयं नगरी विधिान्तं कलानां, शिल्पानां च कृते लोके विश्रुता।
अत्रत्या कौशेयशाटिकाः देशे-देशे सर्वत्र स्पृह्यन्ते।

अथवा

सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चिद् दुःखभाग् भवेत्।।

प्र.7 (क) अपनी पाठ्यपुस्तक से कंठस्थ कोई एक श्लोक लिखिए, जो इस प्रश्नपत्र में न आया हो। (2)

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिएः (1+1=2)

(1) हंसस्य कुलव्रतम् किं अस्ति?
(2) अलक्षेन्द्रः कः आसीत्?
(3) तृष्णा केन वर्धते?
(4) मनुष्यः किं हित्वा सुखी भवति?

प्र.8 (क) हास्य अथवा करुण रस की परिभाषा लिखिए एवं उसका एक उदाहरण भी दीजिए। (2)

(ख) उपमा अथवा उत्प्रेक्षा अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। (2)

(ग) रोला अथवा सोरठा छन्द की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। (2)

प्र.9 (क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं तीन के मेल से एक-एक शब्द बनाइए: (1+1+1=3)

(1) अप (2) अधि (3) परि (4) उप (5) अभि (6) सह

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रत्ययों का प्रयोग करके एक-एक शब्द बनाइएः (1+1=2)

(1) त्व (2) ता (3) पन (4) हट (5) वट

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के समास-विग्रह कीजिए और समास का नाम लिखिए: (1+1=2)
(1) घी-शक्कर (2) विषधर (3) नीलाम्बर (4) शताब्दी
(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के तत्सम रूप लिखिए। (1+1=2)
(1) भगत (2) प्यारा (3) अँगुली (4) कान
(ड.) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए: (2)
(1) सरिता (2) तीर (3) बिजली (4) मेघ (5) कामदेव
प्र.10 (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो में सन्धि कीजिए और संधि का नाम लिखिएः (2)
(1) अद्य + एव (2) मनु + अन्तर (3) महा + औदार्य (4) उपरि + उत्तम्
(ख) निम्नलिखित शब्दों के रूप पंचमी विभक्ति एकवचन में लिखिए: (1+1=2)
(1) मधु अथवा फल (2) तद् (पुल्लिंग) अथवा युष्मद्
(ग) निम्नलिखित में से किसी एक की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए: (2)
(1) पश्यतम् (2) अपठम् (3) अहसन्
(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए: (2)
(1) विक्रम परोपकारी राजा था।
(2) क्या तुम घर जाओगे?
(3) मेरा मित्र अच्छा लड़का है।
(4) लड़कों ने बहुत परिश्रम किया।
प्र.11 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिएः (6)
(1) योग शिक्षा की आवश्यकता
(2) मनुष्य अपने भाग्य का स्वयं निर्माता है
(3) वर्तमान समय में समाचार पत्र की उपादेयता
(4) देश प्रेम
(5) बढ़ती आबादी सिमटते साधन
प्र.12 अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए: (3)
(क) (1) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।
(2) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए।
(ख) (1) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के आधापर पर अशोक का चरित्र चित्रण कीजिए।
(2) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य का सारांश संक्षेप में लिखिए।
(ग) (1) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का कथानक लिखिए।
(2) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र चित्रण कीजिए।
(घ) (1) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।
(2) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग का कथानक लिखिए।
(ड.) (1) 'जयसुभाष' खण्डकाव्य की प्रमुख घटना का उल्लेख कीजिए।
(2) 'जयसुभाष' के प्रधान पात्र का चरित्रांकन कीजिए।
(च) (1) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग की कथावस्तु लिखिए।
(2) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र चित्रण कीजिए।

(छ) (1) 'कर्ण' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(2) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण की दानशीलता का उल्लेख कीजिए।

(ज) (1) 'कर्मवीर भरत' के षष्ठ सर्ग की कथावस्तु लिखिए।

(2) 'कर्मवीर भरत' के नायक की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

(झ) (1) 'तुमुल' खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग का सारांश लिखिए।

(2) 'तुमुल' खण्डकाव्य के प्रधान पात्र का चरित्र चित्रण कीजिए।

*****